कान्हा को ढूंढती हूं रे मैं ब्रिज की गली गली में

कान्हा को ढूंढती हूं रे मैं ब्रिज की गली गली में....

गोकुल में ढूंढती हूं मथुरा में ढूंढती हूं,
ना जाने कहां चला गया रे मैं ढूंढू गली गली में,
कान्हा को ढूंढती हूं रे मैं ब्रिज की गली गली में....

जमुना पर ढूंढती हूं बंसीवट में ढूंढती हूं,
लहरों में जाकर छुप गया रे मैं ढूंढूं गली गली में,
कान्हा को ढूंढती हूं रे मैं ब्रिज की गली गली में....

धनसुख से पूछती हूं मनसुख से पूछती हूं,
वालों के संग में छुप गया रे मै ढूंढू गली गली में,
कान्हा को ढूंढती हूं रे मैं ब्रिज की गली गली में....

गोपियों से पूछती हूं सखियों से पूछती हूं,
राधा के दिल में छुप गया रे मैं ढूंढूं गली गली में,
कान्हा को ढूंढती हूं रे मैं ब्रिज की गली गली में.... :

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28617/title/kanha-ko-dhundati-hu-re-main-brij-ki-gali-gali-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |